



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 222]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 12, 1991/ज्येष्ठ 22, 1913

No. 222]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 12, 1991/JYAISTHA 22, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 जून, 1991

सा. का. नि. 308 (अ):—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्याय अधि-
नियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1)
के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए, नव मंगलौर पत्तन न्याय मंडल द्वारा बनाए गए
और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में नव मंगलौर पत्तन
न्याय कर्मचारी (आवरण) (चतुर्थ संशोधन) विनियम 1991 का
अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन
की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

[फा. म. पी. आर.-12016/14/91—पी. ई. 1]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

नव मंगलौर पत्तन न्याय कर्मचारी (आवरण)

चतुर्थ संशोधन विनियम, 1991

महापत्तन न्याय अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा
28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नव मंगलौर पत्तन न्याय
मंडल, उपर्युक्त अधिनियम की धारा 124 के अधीन केन्द्रीय सरकार के
अनुमोदन के अधीन नव मंगलौर पत्तन न्याय कर्मचारी (आवरण)
विनियम 1980 [17 मार्च 1980 को भारत का राजपत्र, असाधारण
में सा. का. नि. 147 (ई) के रूप में प्रकाशित] में संशोधन करने के
लिए निम्नलिखित विनियम बनाते हैं।

1 (1) इन विनियमों को नव मंगलौर पत्तन न्याय कर्मचारी
(आवरण) चतुर्थ संशोधन विनियम 1991 कहा जाएगा।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को
प्रवृत्त होंगे।

2. नव मंगलौर पत्तन न्याय कर्मचारी (आवरण) विनियम,
1980 के विनियम 2 के उपविनियम (घ) की उपधारा (iii) की
प्रथम पंक्ति आ रहे "विवाह" और को "शब्दों के बीच में" कर्मचारी
को या शब्दों को रखा जाएगा।

3. नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी (आचरण विनियम, 1980 के विनियम 3 में उपविनियम (1) के आगे उपविनियम (1) (क) और (1) (ख) जोड़ा जाएगा।

- (1) (क) कोई भी कर्मचारी :—
- (क) पत्तन के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले ढंग से कार्य नहीं करेगा;
- (ख) संस्कृत छुट्टी के बिना अनुपस्थित नहीं रहेगा;
- (ग) कार्य की उपेक्षा या कार्य को घीमा करने सहित कार्य के निष्पादन में उपेक्षा प्रदर्शित नहीं करेगा;
- (घ) कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेगा जो अनुशासन या सदा का ध्वंसक हो;
- (ङ) अवचार माने जाने वाले कार्य के लिए दुष्प्रेरित या दुष्प्रेरण का प्रयत्न नहीं करेगा; और
- (च) अन्य कर्मचारियों के साथ मिलकर अनधीनता या अवज्ञापूर्ण कार्य नहीं करेगा।

(1) (ख) (1) पर्ववैधी पद धारक प्रत्येक कर्मचारी के सब सम्भव कदम उठाएगा जिससे कि तत्पश्चात् उसके नियंत्रण और प्राधिकरण में कार्यरत कर्मचारियों की ईमानदारी और कर्तव्य निष्ठा सुनिश्चित हो सके।

(2) कोई भी कर्मचारी पदीय कर्तव्य के निष्पादन में या उसको प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, उस समय को छोड़कर जब वह अपने वरिष्ठ अधिकारी के निदेश के अंतर्गत कार्य कर रहा हो, सर्वोत्तम विवेक बुद्धि के अनुसार ही कार्य करेगा।

(3) वरिष्ठ अधिकारी का निदेश सामान्य लिखित रूप में होगा। जहां तक संभव होगा, अधीनस्थों को मौखिक निदेश देने से बचा जाएगा ऐसी स्थिति में जहां मौखिक निदेश देना आवश्यक हो, तब तत्पश्चात् वरिष्ठ अधिकारी निदेशों की पुष्टि लिखित रूप में करेगा।

(4) जिस कर्मचारी को मौखिक आदेश दिए गए हैं वह यथाशीघ्र अपने वरिष्ठ अधिकारी से इन आदेशों की पुष्टि लिखित रूप में कराएगा और वरिष्ठ अधिकारी का यह कर्तव्य होगा कि वह आदेश की पुष्टि लिखित रूप में करे।

स्पष्टीकरण 1 :—कोई भी कर्मचारी यदि सौंपे गए कार्य को नियत समय में करने में और उससे अपेक्षित निष्पादन-गुणवत्ता के साथ करने में असफल रहता है तो उप-विनियम (1) की उपधारा (ii) के अर्थ के अंतर्गत उसे कर्तव्यनिष्ठा की कमी समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण 2 :—उप विनियम 1 ख की धारा (ii) का यह अर्थ नहीं होगा कि कर्मचारी अपने उत्तरदायित्वों से बचने के लिए वरिष्ठ अधिकारी या प्राधिकरण से आदेश मांगे और उनकी पुष्टि कराए जबकि शक्तियों और उत्तरदायित्वों के वितरण की योजना के अधीन इस प्रकार के आदेश आवश्यक न हो।

उप-विनियम 3 के बाद— निम्न नियम रखा जाएगा :

- (3) प्रत्येक कर्मचारी किसी ऐसी फर्म या कंपनी या अन्य किसी व्यक्ति को संज्ञिदा प्रदाव करने या आश्रम-का प्रयोग करने के मामले में स्वयं को विरत रखेगा जिसमें उस फर्म या कंपनी या उस व्यक्ति के अधीन उसके परिवार का कोई भी सदस्य नियोजित है या वह स्वयं या उसके परिवार का कोई भी सदस्य इस प्रकार की संविदा में किसी भी प्रकार से रुचि रखता है।

4. नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी (आचरण) विनियम 1980 के विनियम 10 के उप-विनियम 1 में आने वाले शब्द “कोई व्यक्ति”

के स्थान पर “कोई अन्य व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे। उपविनियम 4 के ले निम्न नियम रखा जाएगा :

“(4) किसी अन्य मामले में, बोर्ड की मंजूरी के बिना, कोई भी कर्मचारी न तो स्वयं कोई उपहार स्वीकार करेगा या अपने परिवार के किसी भी सदस्य को या अपनी ओर से कार्य करने वाले अन्य किसी व्यक्ति को उपहार प्राप्त करने के लिए अनुमति करेगा यदि उपहार का मूल्य निम्नलिखित राशि से अधिक होता :—

(1) श्रेणी-1 या श्रेणी II पद धारक कर्मचारियों के मामले में 75/- रुपये और.

(2) श्रेणी III या श्रेणी IV पद धारक कर्मचारियों के मामले में 25/- रुपये

दहेज—कोई भी कर्मचारी :—

(1) न दहेज लेगा या देगा या दहेज लेने या देने के लिए दुष्प्रेरण करेगा; या

(2) प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वधू या वर के मां-बाप या सौरभक से, जैसी भी स्थिति हो, किसी प्रकार के दहेज की मांग नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण :—इस विनियम के प्रयोजन के लिए “दहेज शब्द” का वही अर्थ है जो दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 (1961 का 28) में है।

विनियम 10 के अन्तर्गत उप विनियम 5, 6, 7 और 8 निम्नलिखित रूप से जोड़ा जाएगा।

“(5) उपविनियम (2), (3) और (4) में अंतर्विष्ट किसी भी नियम के होते हुए कर्मचारी विदेशी उच्च पदस्थों से प्रतीकात्मक प्रकृति के उपहार प्राप्त कर सकता है और उन्हें रख सकता है।”

“(6) विदेशी उच्च पदस्थों से प्राप्त ऐसे उपहार जो प्रतीकात्मक प्रकृति के नहीं हैं, उन्हें कर्मचारी अपने पास रख सकता है यदि उपहार का बाजार मूल्य उद्भव के देश में 3000/- रुपये से अधिक नहीं है।”

“(7) जहां कहीं यह संदेह हो कि विदेशी उच्च पदस्थ से प्राप्त उपहार प्रतीकात्मक प्रकृति का है या नहीं या जहां देखने से ही यह प्रकट हो कि उद्भव के देश में उपहार का बाजार मूल्य 3000/- रुपये से अधिक का है या जहां उपहार के वास्तविक बाजार मूल्य के संबंध में संदेह हो तो कर्मचारी द्वारा इस प्रकार के उपहारों को प्राप्त करने और रखने के मामले समय-समय पर सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों से विनियमित होंगे।”

“(8) कर्मचारी किसी भी ऐसी विदेशी फर्म से कोई भी उपहार स्वीकार नहीं करेगा जो पत्तन न्यास से संविदा कर रही है या जिससे पत्तन न्यास के सरकारी संबंध थे, हैं या हो सकते हैं। कर्मचारी द्वारा अन्य किसी विदेशी फर्म से उपहारों का स्वीकरण उपविनियम (4) के उपबंधों के अधीन होगा।”

5. नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी (आचरण) विनियम 1980 के विनियम 12 में टिप्पणी के रूप में निम्नलिखित को विनियम में जोड़ा जाएगा।

टिप्पणी :—किसी भी कर्मचारी पर किसी भी प्रकार का दबाव या असर डालकर उसे किसी ऐसे विदाई सत्कार में शामिल करने के लिए अंशदान लेना जो सारतः निजी या अनौपचारिक रूप का है और श्रेणी III या या श्रेणी IV के कर्मचारियों से श्रेणी III या श्रेणी IV के कर्मचारियों के सत्कार के अलावा

किसी अन्य श्रेणी के कर्मचारियों के सत्कार के लिए, किसी भी स्थिति में, अंगदान को एकत्र करना निषिद्ध है।

6. नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी (आवरण) विनियम 1980 के विनियम 13 के बदले निम्नलिखित रखा जाएगा :

“13. निजी व्यापार या रोजगार

(1) उप विनियम (2) के उपबंधों के अधीन कोई भी कर्मचारी बोर्ड की पूर्ण मंजूरी के अलावा :—

(क) किसी व्यापार या व्यवसाय में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष भाग नहीं लेगा, या

(ख) किसी अन्य रोजगार के लिए न बातचीत करेगा या न उसे स्वीकार करेगा या। या

(ग) न तो निर्वाचन पद का धारक होगा या न ही किसी निकाय में, चाहे वह निर्गमित हो या अनिर्गमित किसी भी अभ्यर्थी या निर्वाचन पद के अभ्यर्थी के लिए संयोजना करेगा, या

(घ) अपने परिवार के किसी सदस्य के स्वामित्व या प्रबंधन में बीमा ऐजेंसी, कमीशन ऐजेंसी आदि के किसी व्यवसाय के समर्थन में संचायता नहीं करेगा, या

(ङ) अपने पदीय कर्तव्यों के पालन करने को छोड़कर कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य कानून या आणव्ययिक प्रयोजनों के लिए किसी सहकारी सोसायटी के अधीन किसी पंजीकृत या पंजीकरण के लिए अपेक्षित बैंक या कम्पनी के पंजीकरण संवर्धन या प्रबंधन में भाग नहीं लेगा।

(2) बोर्ड की पूर्ण मंजूरी के बिना कोई कर्मचारी :—

(क) सामाजिक या पूर्ण प्रकृति का अधैतनिक कार्य कर सकता है, या

(ख) साहित्यिक, कलात्मक या वैज्ञानिक प्रकृति का कभी-कभी किए जाने वाला कार्य कर सकता है, या

(ग) शौकिया रूप से खेल-कूद के प्रियाकलापों में भाग ले सकता है, या

(घ) सोसाइटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1860 (1860 का 21) या तत्समय प्रवृत्त किसी कानून के अधीन पंजीकृत साहित्यिक, वैज्ञानिक या पूर्ण सोसायटी या क्लब या इसी प्रकार के संगठन के जितना लक्ष्य या उद्देश्य खेल-कूद, सांस्कृतिक या आनंद-प्रमोद की गतिविधियों को बढ़ावा देना हो, पंजीकरण, संवर्धन या प्रबंधन (निर्वाचन पद धारण करना जिसमें शामिल न हो) में भाग ले सकता, या

(ङ) सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1912 (1912 का 2) या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य कानून के अधीन पंजीकृत सहकारी सोसायटी के जो सारतः कर्मचारियों के हितसामर्थों के लिए हो, पंजीकरण, संवर्धन या प्रबंधन (निर्वाचन पद धारण करना जिसमें शामिल न हो) में भाग ले सकता है।

बशर्ते कि :—

(1) वह बोर्ड के निर्देश करने पर इस प्रकार की गतिविधियों में भाग लेना छोड़ देगा, और

(2) इस उप-विनियम की उपधारा (ब) या उपधारा (ङ) के अंतर्गत आने वाले मामलों में उसके पदीय कर्तव्यों में कोई बाधा नहीं पहुँचती है और वह इस प्रकार की गतिविधि में भाग लेने के एक माह के भीतर अपने भाग लेने की प्रकृति का व्योरा देते हुए बोर्ड को सूचित कर देता है।

3. यदि कर्मचारी के परिवार का कोई भी सदस्य व्यापार या व्यवसाय में लगा हुआ है या बीमा ऐजेंसी या कमीशन ऐजेंसी का मालिक या प्रबंध करता है तो इसकी सूचना उसे बोर्ड को देनी होगी।

4. बोर्ड/सरकार के सामान्य या विशेष आदेशों के द्वारा जब तक कि अन्यथा प्रावधान न हो, कोई भी कर्मचारी विहित प्राधिकारी की मंजूरी के बिना किसी निजी या सार्वजनिक निकाय या किसी प्राइवेट व्यक्ति के लिए अपने द्वारा किए गए कार्य के लिए कोई फीस स्वीकार नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण :—“कोम” शब्द का प्रयोग यहां उसी अर्थ में किया गया है जो अर्थ मूल नियम 9 (6-क) में नियत है।

7. नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी (आवरण) विनियम, 1980 के विनियम 14 में उप विनियम (5) की प्रथम पंक्ति में आने वाले शब्द “shall और” In “ ” के बीच शब्द “save” जोड़ा जाएगा।

8. नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी (आवरण) विनियम, 1980 के विनियम 15 में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा।

“टिप्पणी :—विवासियापन अथवा ऋण अस्तित्व कर्मचारी को पूर्ण ज्ञान अथवा उसके नियंत्रण से बाहर परिस्थितियों में सामान्य तत्परता का प्रयोग करते हुए उसकी फिजूल खर्ची अथवा अप्रव्ययी आदतों का परिणाम नहीं थी, यह तथ्य साबित करने का भार कर्मचारी पर होगा।”

9. नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी (आवरण) विनियम, 1980 के विनियम 16 के उपविनियम (1) के अन्तर्गत आने वाले परंतुक को निम्नलिखित रूप में उपांतरित किया जाएगा :

“बशर्ते कि कर्मचारी को विहित प्राधिकरण की पूर्ण मंजूरी प्राप्त करनी होगी यदि इस प्रकार का लेन-देन ऐसे व्यक्ति के साथ है जिसका उसके साथ सरकारी रूप से संबंध है।”

उप विनियम (2) को बदला जाएगा और इस विनियम के अन्तर्गत परंतुक को निम्नलिखित रूप से उपांतरित किया जाएगा :

(2) यदि कोई कर्मचारी स्वयं या अपने परिवार के किसी अन्य सदस्य के नाम से खल सम्पत्ति के संबंध में कार्य करता है और ऐसी सम्पत्ति श्रेणी I और श्रेणी II के कर्मचारी के मामले में 10,000 मूल्य से अधिक और श्रेणी III तथा श्रेणी IV के मामले में 5,000—रुपये के मूल्य से अधिक की है तो उसे उस कार्य की तारीख से एक माह के भीतर उस कार्य विवरण को सूचना विहित प्राधिकरण को देनी होगी। “बशर्ते कि कर्मचारी को विहित प्राधिकरण की पूर्ण मंजूरी प्राप्त करनी होगी यदि इस प्रकार का लेन-देन ऐसे व्यक्ति के साथ है जिसके साथ उसका सरकारी रूप से संबंध है।” इस उपविनियम के अधीन स्पष्टीकरण की उपधारा (ख) में “Advance” और “By” शब्दों के बीच में “Or taken” शब्दों को जोड़ा जाएगा।

उपधारा (ब) में टेपीविजन सेट जोड़ा जाएगा।

10. नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी (आवरण) विनियम 1980 के विनियम 20 के शीर्ष को “मावक वेतन तथा नशीली दवाओं का उपयोग” के रूप में बदला जाएगा।

निम्नलिखित स्पष्टीकरण भी जोड़ा जाएगा।

“स्पष्टीकरण :—इस विनियम के प्रयोजन के लिए “सार्वजनिक स्थान” का अर्थ है वेदों की ऐसा स्थान या परिसर (बाह्य को मिलाकर) जिसमें चाहे अवाधनी कर के या अन्यथा जनता की पहुँच है या उनकी पहुँच अनुमत है।”

प्रमुख विनियम :

नौबहन एवं परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना में दिनांक 17 मार्च, 1980 के जी. एस. आर. 147 (इ) के अधीन प्रकाशित किया गया ।

वी. महापाल, अध्यक्ष

प्रशासनिक कार्यालय,
नव मंगलूर पत्तन न्याय,
पानाम्बूर, मंगलूर; - 575010

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th June, 1991

G.S.R. 308(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124, read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Ports Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the New Mangalore Port Trust Employees (conduct) Fourth Amendment Regulations, 1991 made by the Board of Trustees for the Port of New Mangalore and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulation shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[PR-12016/4/91-PE.1]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

NEW MANGALORE PORT TRUST EMPLOYEES (CONDUCT) FOURTH AMENDMENT REGULATIONS, 1991

In exercise of the powers conferred by section 28 of the Major Port Trust Act-1963. (38 of 1963) the New Mangalore Port Trust Board hereby makes, subject to the approval of the Central Government, under section 124 of the above Act, the following Regulations to amend the New Mangalore Port Trust Employees (Conduct) Regulations, 1980 (Published as GSR 147 (E) in the Gazette of India, Extraordinary 17th March, 1980.

1. (1) These Regulations may be called NMPT(E) (Conduct) Fourth Amendment Regulations, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.

2. In Regulation 2 of the New Mangalore Port Trust Employees (Conduct) Regulations, 1980, the words "to the employee or" shall be inserted between the words "marriage" and "to" occurring in the first line of sub clause (iii) of Sub Regulation(d).

3. In Regulation 3 of NMPT Employees (Conduct) Regulations 1980, the following shall be inserted to Sub-regulation (1) as Sub-Regulation (1)A and 1(B).

(1)A No employee shall

(a) act in a manner prejudicial to the interests of the Port;

(b) be absent without sanctioned leave;

(c) neglect work or show negligence in the performance of work including slowing down of work;

(d) Commit any act which is subversive of discipline or of good behaviour;

(e) abet or attempt to abet any act which amounts to misconduct; and

(f) act in insubordination or disobedience in combination with others".

"1(b) (i) Every employee holding a supervisory post shall take all possible steps to ensure the integrity and devotion to duty of all employees for the time being under his control and authority.

(ii) No employee shall, in the performance of his official duties, or in the exercise of powers conferred on him, act otherwise than in his best judgement except when he is acting under the direction of his official superior.

(iii) The direction of the official superior shall ordinarily be in writing. Oral direction to subordinates shall be avoided, as far as possible. Where the issue of oral direction becomes unavoidable, the official superior shall confirm it in writing immediately thereafter.

(iv) An employee who has received oral direction from his official superior shall seek confirmation of the same in writing as early as possible, whereupon it shall be the duty of the official superior to confirm the direction in writing.

Explanation I : An employee who habitually fails to perform the task assigned to him within the time set for the purpose and with the quality of performance expected of him shall be deemed to be lacking in devotion to duty within the meaning of sub-clause (ii) of Sub-Regulation (1).

Explanation II : Nothing in clause (ii) of sub-regulation 1-B shall be construed as empowering an employee to evade his responsibilities by seeking instructions, from, or approval of, a superior officer or authority when such instructions are not necessary under the scheme of distribution of powers and responsibilities".

The Sub-regulation 3 shall be substituted as follows :

(3) Every employee shall desist from dealing with a case relating to award of a contract or exercise of patronage in favour of a firm or company or any other person if any member of his family is employed in that company or firm or under that person or if he or any member of his family is interested in such contract in any other manner.

4. In Regulation 10 of NMPT Employees (Conduct) Regulations 1980 the words "any person" coming in Sub-regulation I shall be substituted as "any other person". The Sub-regulation 4 shall be substituted as follows :

"(4) In any other case, an employee shall not accept or permit any member of his family or any other person acting on his behalf to accept any gift without the sanction of the Board if the value whereof exceeds :

- (i) Rs.75/-in the case of an employee holding any class I or Class II post, and
- (ii) Rs.25/-in the case of an employee holding any class III or Class IV post.

Dowry—No employee shall—

- (i) give or take or abet the giving or taking of dowry; or
- (ii) demand, directly or indirectly, from the parents or guardian of bride or bridegroom as the case may be, any dowry.

Explanation : For the purposes of this regulation "dowry" has the same meaning as in the Dowry Prohibition Act, 1961 (28 of 1961)

The following shall be inserted as Sub-regulations 5, 6, 7 and 8 under Regulation 10.

"(5) Notwithstanding anything contained in Sub-regulations (2), (3) and (4) an employee may receive gifts of symbolic nature from foreign dignitaries and retain such gifts."

"(6) Gifts from foreign dignitaries which are not of symbolic nature may be retained by an employee if the market value of the gift in the country of origin does not exceed Rs. 3000/-".

"(7) Where there is doubt whether a gift received from a foreign dignitary is of symbolic nature or not, or where the market value of the gift in the country of origin apparently exceeds Rs. 3,000/- or where there is any doubt about the actual market value of the gifts, the acceptance of such gifts and retention thereof, by the employee shall be regulated by the instructions issued by the Government in this regard from time to time."

"(8) An employee shall not accept any gift from any foreign firm which is either contracting with the Port Trust or is one with which the Port Trust had, has, or is likely to have, official dealings. Acceptance of gifts by an employee from any other foreign firm shall be subject to the provisions of Sub-regulation (4)."

5. In Regulation 12 of NMPT Employees (Conduct) Regulations, 1980 the following shall be inserted as note to this Regulation.

Note: Exercise of pressure or influence of any sort on any employee to include him to subscribe towards any farewell entertainment if it is of a substantially private or informal character and the collection of subscriptions from Class III or IV employees under any circumstances for the entertainment of any employee not belonging to Class III or IV is forbidden.

6. The Regulation 13 of NMPT Employees (Conduct) Regulations, 1980 shall be substituted as follows :

"13—Private trade or employment

(1) Subject to the provisions of sub regulation (2) no employee shall, except with the previous sanction of the Board—

(a) engage directly or indirectly in any trade or business, or

(b) negotiate for, or undertake, any other employment, or

(c) hold an elective office, or canvass for a candidate or candidate for an elective office, in any body, whether incorporated or not, or

(d) Canvass in support of any business of insurance agency, commission agency, etc., owned or managed by any member of his family, or

(e) take part except in the discharge of his official duties, in the registration, promotion or management of any bank or company registered or required to be registered, under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) or any other law for the time being in force or of any cooperative society for commercial purposes.

(2) An employee may, without the previous sanction of the Board—

(a) undertake honorary work of a social or charitable nature, or

(b) undertake occasional work of a literary, artistic or scientific character, or

(c) participate in sports activities as an amateur, or

(d) take part in the registration, promotion or management (not involving the holding of an elective office) of a literary, scientific or charitable society or of a club or similar organisation, the aims or objects of which relate to promotion of sports, cultural or recreational activities, registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860), or any law for the time being in force, or

(e) take part in the registration, promotion or management (not involving the holding of elective office) of a cooperative society substantially for the benefit of employees, registered under the Cooperative Societies Act, 1912 (2 of 1912) or any other law for the time being in force.

Provided that—

(i) he shall discontinue taking part in such activities, if so directed by the Board; and

(ii) in a case falling under sub clause (d) or sub-clause (e) of this sub-regulation his official duties shall not suffer thereby and he shall, within a period of one month of his taking part in such activity, report to the Board giving details of the nature of his participation.

3. Every employee shall report to the Board if any member of his family is engaged in a trade or business or owns or manages an insurance agency or commission agency.

4. Unless otherwise provided by general or special orders of the Board/Government, no employee may accept any fee for any work done by him for any private or public body or any private person without the sanction of the prescribed authority.

Explanation:—The term "fee" used here shall have the meaning assigned to it in Fundamental Rule 9(6A).

7. In Regulation 14 of NMPT Employees (Conduct) Regulations 1980 the word 'save' shall be inserted between the words 'shall' and 'in' occurring in the first line of Sub-regulation (5).

8. In Regulation 15 of NMPT Employees (Conduct) Regulations 1980 the following note shall be inserted.

"Note: The burden of proving that the insolvency or indebtedness was the result of circumstances which, with the exercise of ordinary diligence, the employee could not have foreseen, or over which he had no control, and had not proceeded from extravagant or dissipated habits, shall be upon the employee."

9. In Regulation 16 of NMPT Employees (Conduct) Regulations 1980 the proviso coming under the Sub-regulation (1) shall be modified as follows:

"Provided that the previous sanction of the prescribed authority shall be obtained by the employee if any such transaction is with a person having official dealings with him."

The Sub-regulation (2) shall be substituted and the proviso under this regulation shall be modified as follows:

(2) Where an employee enters into a transaction in respect of movable property either in his own name or in the name of any other member of his family, he shall, within one month from the date of such transaction, report the same to the prescribed authority, if the value of such property exceeds Rs. 10,000/- in the case of Class I or Class II post or Rs. 5,000/- in the case of an employee holding any Class III or Class IV post.

“Provided that the previous sanction of the prescribed authority shall be obtained by the employee if any such transaction is with a person having official dealings with him.”

In sub clause (d) of Explanation under this sub regulation the words “or taken” shall be inserted between the words “advanced” and “by”.

In sub-clause (d) the television sets shall be added.

10. The heading of the Regulation 20 of NMPT Employees (Conduct) Regulations, 1980 shall be substituted as “consumption of intoxicating drinks and drugs.” The following explanation shall also be inserted.

“Explanation: For the purpose of this Regulation ‘public place’ means any place or premises (including a conveyance) to which the public have, or are permitted to have access whether on payment or otherwise.”

Principal Regulations:

Ministry of Shipping and Transport, (Transport Wing), Notification at GSR 147 (E) dated 17th March, 1980.

B. MAHAPATRA, Chairman

Administrative Office,
New Mangalore Port Trust,
Panambur,
Mangalore-575 010.

